मोनो रेल के टिकट पर छपेगा विज्ञापन

पुनर्जीवित करने का किया जा रहा प्रयास

■ प्रिया पांडे @ नवभारत.

मुंबई. मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) ने मोनोरेल को पुनर्जीवित करने के लिए प्रयास जारी रखा है, जो वर्तमान में प्रति माह करीबन 25 करोड़ रुपये के घाटे में चल रही है. इसी के मद्देनज़र अब एमएमआरडीए ने मोनो की टिकट के पीछे वाले हिस्से पर विज्ञापन छपवाने का निर्णय लिया है और टेंडर भी जारी किया है. टेंडर के अनुसार, ये कार्य उसी कंपनी को सौंपा जाएगा, जो क्रिएटिव कॉन्सेप्ट लेकर आएगी. यह टेंडर 27 दिसंबर 2023 तक भरा जा सकता है. कांट्रेक्टर को लेटर ऑफ़ अवार्ड (एलओए) मिलने के 15 दिन के भीतर प्राधिकरण को 100% एडवांस किराया देना होगा. यह कॉन्ट्रैक्ट 1 साल के लिए होगा. बता दें कि मौजूदा समय में वीक डेज पर मोनो की प्रति दिन 142 फेरी चलाई जाती है. तो वहीं वीकेंड और पब्लिक हॉलिडे पर 98 फेरी चलाई जाती है और मोना की फ्रीक्वेंसी में 15 मिनट का अंतराल रहता है. साथ ही 20,000 यात्री प्रति दिन प्रवास करते है.

मोनो रेल (2023 -24 अनुमानित)

10 मोनो रेक के शामिल होने पर सस्पेंस

याद दिला दें कि एमएमआरडीए ने मोनो को बूस्ट करने के लिए 10 अधिक मोनो ट्रेन बड़े में शामिल करने का निश्चय किया था, जो मोनो का रेवेन्यू बढ़ाएगा और मोनो की फ्रक्वेंसी को 15 मिनट से 5 मिनट पर ले आएगा और इस वजह से राइडर शिप में भी बढ़ोतरी देखि जा सकती है. लेकिन विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि एमएमआरडीए ने मोनो की मौजूदा स्तिथि को देखते हुए 10 मोनो को बड़े में शामिल करने का प्लान कैंसिल कर सकती है. क्योंकि इस प्लान को फिलहाल होल्ड पर रखा गया है.

मोनो को रेलवे और मेट्रो स्टेशन से जोड़ने की योजना

इन सभी 10 रैक की लागत 589.95 करोड़ रूपए है. पर मेक इन इंडिया पहल के तहत हैदराबाद में स्वदेशी रूप से मोनोरेल का निर्माण किया जा रहा है. लेकिन अब मोनो की टिकट के पीछे वाले हिस्से पर विज्ञापन छपवाने का निर्णय मोनो की प्रगति को देखते हुए लिया गया है. इस पहल से मोनो अतिरिक्त राजस्व अर्जित करेगा और आने वाले समय 10 अतीतरिक मोनो रेक बड़े में शामिल हो सकती है. ध्यान देने वाली बात यह है कि एमएमआरडीए ने गणेश चतुर्थी में लोगों से मोनो में प्रवास करने और गणराया के दर्शन करने की अपील की थी, जिसे अच्छा रिपॉन्स मिला था.

- मोनो को रेलवे व मेट्रो स्टेशन के साथ जोड़ने की योजना भी बनाई गई थी. टेंडर निकला गया था. प्रस्ताव में महालक्ष्मी रेलवे स्टेशन को मेट्रो 3 के महालक्ष्मी मेट्रो स्टेशन को जोड़ने के लिए सात रास्ता जंक्शन के वहां से संत गाडगे महराज मोनो रेल स्टेशन को जोड़ने के लिए काम किये जाने है.
- एमएमआरडीए ने मुंबई महानगर क्षेत्र में वर्ल्ड क्लास परिवहन विकसित करने के लिए 2007-2008 में मोनोरेल प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी. लगभग 20 किमी लंबी चेंबूर से संत गाडगे महाराज चौक तक चलने वाली मोनो रेल का निर्माण 2 चरणों में किया गया था. पहला था.